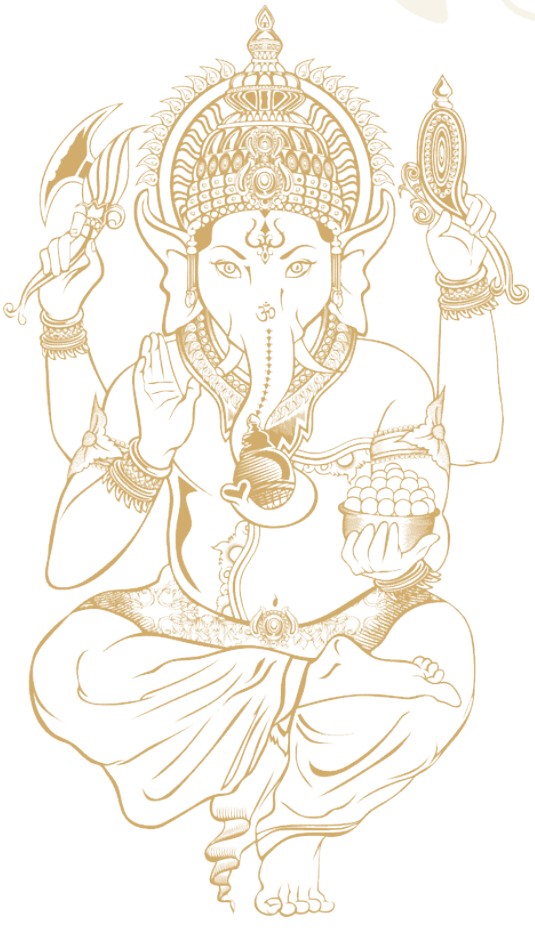

Arun

Miss udika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120972203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/01/2005	जन्म तिथि	10/10/2009
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 20:25:00	जन्म समय	19:30:00 घंटे
घटी 32:12:11	जन्म समय(घटी)	32:27:44 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Jammu
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:32:07	सूर्योदय	06:30:54
17:50:47	सूर्यास्त	18:03:45
23:55:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:59:51

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 5मा 17दि	08:41:13	सिंह	लग्न	मेष	24:07:09	राहु 9वर्ष 3मा 18दि
राहु	05:42:58	मक	सूर्य	कन्या	23:24:11	गुरु
08/07/2025	02:17:57	वृष	चंद्र	मिथु	13:06:38	28/01/2019
09/07/2043	23:20:01	वृश्चि	मंगल	कर्क	02:53:23	28/01/2035
राहु 20/03/2028	19:38:56	धनु	बुध	कन्या	06:36:04	गुरु 18/03/2021
गुरु 14/08/2030	24:39:04	कन्या	गुरु व	मक	23:10:47	शनि 29/09/2023
शनि 20/06/2033	18:29:47	धनु	शुक्र	कन्या	00:35:44	बुध 04/01/2026
बुध 07/01/2036	29:29:17	मिथु व	शनि	कन्या	03:48:19	केतु 11/12/2026
केतु 25/01/2037	03:36:11	मेष व	राहु व	मक	02:27:29	शुक्र 11/08/2029
शुक्र 26/01/2040	03:36:11	तुला व	केतु व	कर्क	02:27:29	सूर्य 30/05/2030
सूर्य 19/12/2040	10:49:10	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	29:44:52	चन्द्र 29/09/2031
चन्द्र 20/06/2042	20:34:37	मक	नेप व	मक	29:52:01	मंगल 04/09/2032
मंगल 09/07/2043	29:26:15	वृश्चि	प्लूटो	धनु	06:52:45	राहु 28/01/2035

लग्न-चलित

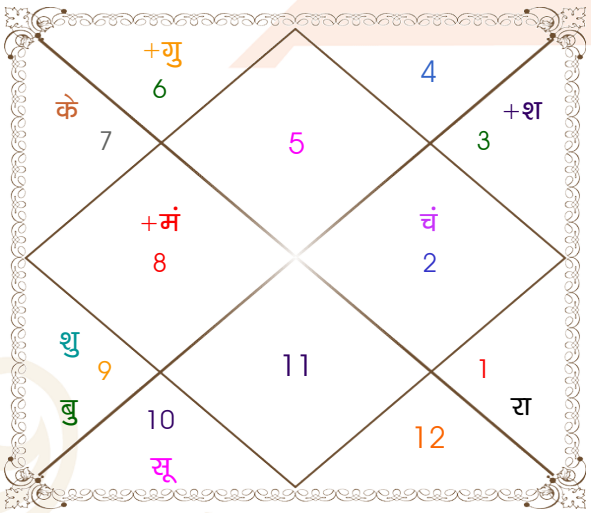

लग्न-चलित

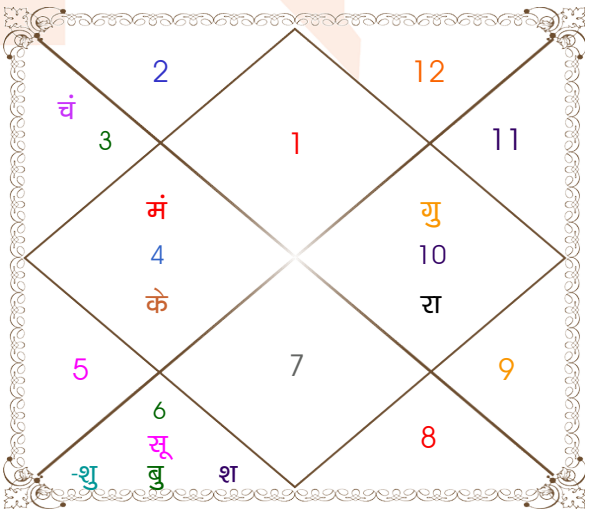

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Arun का वर्ग गरूड़ है तथा Miss udika का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Arun और Miss udika का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Arun मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Arun कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Arun कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Miss udika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Miss udika कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Miss udika कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Miss udika कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Arun कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Arun तथा Miss udika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।